



# प्रभा

ई-पत्रिका

सितंबर माह-2023



केंद्रीय विद्यालय क्र.1, सेक्टर 30, गांधीनगर

केंद्रीय विद्यालय क्र.1, सेक्टर-30, गांधीनगर  
ई-पत्रिका-प्रभा  
(सितंबर माह - 2023)

संपादक मंडल

मुख्य संरक्षक

श्रीमती श्रुति भार्गव  
उपायुक्त  
के.वि.सं.(अहमदाबाद संभाग)

श्रीमान हितेश के कोया (आई.ए.एस.)  
क्लेक्टर एवं जिला अधिकारी  
एवं  
अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति  
के. वि. क्र.1 सेक्टर 30, गांधीनगर

संरक्षक

श्रीमती विनीता शर्मा  
सहायक आयुक्त  
के.वि.सं.(अहमदाबाद संभाग)

श्रीमती मीना जोशी  
सहायक आयुक्त  
के.वि.सं.(अहमदाबाद संभाग)

श्रीमान वेंकटेश्वर प्रसाद बी.

सहायक आयुक्त  
के.वि.सं.(अहमदाबाद संभाग)

श्रीमान आलोक कुमार तिवारी

प्राचार्य  
के. वि. क्र.1 सेक्टर 30, गांधीनगर

श्रीमान एल. जे. वाघेला

प्रधानाध्यापक  
के. वि. क्र.1 सेक्टर 30, गांधीनगर

## संपादक मंडली

डॉ. विजय कुमार साव

स्नातकोत्तर शिक्षक हिंदी

श्रीमती ध्वनिका भट्ट

स्नातकोत्तर शिक्षिका, अंग्रेजी

श्रीमती प्रतिभा त्रिवेदी,

प्र. स्ना. शि. हिंदी

श्रीमान प्रकाश कुमार प्रजापति

प्र. स्ना. शि. अंग्रेजी

श्रीमान नवीन अमीन,

प्र. स्ना. कला शिक्षक

श्रीमान कमल शर्मा,

प्राथमिक शिक्षक

श्रीमान भावदीपसिंह झाला,

कंप्यूटर शिक्षक

## सितंबर माह की गतिविधियाँ और संबंधित छायाचित्र

क्र. सं.	गतिविधि	दिनांक
1	स्वच्छता पखवाड़ा	1 सितंबर से 15 सितंबर
2	शिक्षक दिवस समारोह	5 सितंबर
3	कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव	6 सितंबर
4	प्रथम चिकित्सा जाँच	13 सितंबर
5	हिन्दी पखवाड़ा	14 सितंबर से 29 सितंबर
6	पोषण माह	1 सितंबर से 30 सितंबर
7	अमृत कलश यात्रा / पंच प्रण सपथ	30 सितंबर
8	वीर गाथा प्रोजेक्ट 3.0	1 सितंबर से 15 सितंबर
9	<b>SAY NO TO DRUGS</b>	26 सितंबर

### हिंदी रचनाएँ

1	हरप्रीत -दसवीं ब	सब कहते हैं (कविता )
2	श्रीमती भारती मोहल- प्र. स्ना. शि. गणित	सार (कविता )
3	श्रीमती प्रतिभा त्रिवेदी- प्र. स्ना. शि. हिंदी	स्थानांतरण (कविता )
4	श्रीमान एल. जे. वाघेला - प्रधानाध्यापक	अवसर (कविता)
<b>ENGLISH ARTICLES</b>		
1	HIBA TABBSUM -VIII-C	SYNOPSIS ROOM ON THE BROOM (STORY)
2	NANDINI -VIII-C	THE BUTTERFLY AND THE FLOWER (STORY)
3	MR. PRAKASHKUMAR PRAJAPATI-TGT(ENG.)	A LETTER FROM THE EVALUATOR

## स्वच्छता पखवाड़ा 1 सितंबर से 15 सितंबर-2023

छात्र-छात्राओं में स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं सचेतनता लाने हेतु 1 सितंबर से 14 सितंबर तक स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



## शिक्षक दिवस

**गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।  
गुरुर्साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः॥**

उपर्युक्त संदेश को छात्र-छात्राओं में संचारित करने हेतु भारत के प्रथम उप-राष्ट्रपति एवं प्रथम शिक्षा मंत्री डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म तिथि 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाते हैं। विद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के बारहवीं कक्षा के छात्र-छात्रायें शिक्षक-शिक्षिका की भूमिका में नज़र आए।



## JANMASTHMI CELEBRATIONS



Krishna Janmashtami, the festival that celebrates the birth of Krishna, the eighth avatar of Vishnu was observed in KV NO. 1 Sector 30 Gandhinagar with a lot of excitement and fervour.

This day marks the passionate love for Little Kanha from all his devotees. The students of primary section experienced the joy beyond measure in holding the rope and cradling Krishna's idol, which was set up in the Krishna Corner created for this day.

All the students relished the delicious prasaad and wished the deity a Happy Birthday. While the little ones made beautiful crafts of a crown which had a peacock's feather in it to impersonate Krishna, the students of class I and II enthusiastically participated in an Inter class fancy dress competition based on the festival.

The corridors of the school were echoing with sounds of bhajans like 'Choti Choti Gayian' and 'Mere laddoo Gopal' to celebrate this special day.

The teachers narrated incidents from Kanha's life and enlightened children about the values that they can learn from his experiences. The sparkling festival was commemorated in a beautiful manner leaving Krishna's teachings as a guiding light for all of us to follow.

## प्रथम चिकित्सा जाँच

गांधीनगर महानगर पालिका द्वारा विद्यालय में छात्र-छात्राओं के चिकित्सा जाँच हेतु शिविर का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत कक्षा 1 से 12 तक छात्र-छात्राओं के मूलभूत शारीरिक परीक्षण किया गया।





## हिंदी पखवाड़ा

प्रशासनिक एवं कार्यालयी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग एवं प्रचार-प्रसार हेतु गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग एवं केन्द्रीय विद्यालय संगठन के निर्देशानुसार विद्यालय 14 सितंबर से 29 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। 14 सितंबर को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं कार्यालय कर्मिकों हेतु विविध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हिंदी कविता पाठ, निबंध लेखन, हिंदी सामान्य ज्ञान आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।



## पोषण माह

भारत सरकार की प्रमुख पहल, पोषण अभियान ने गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, किशोरियों और 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए पोषण संबंधी परिणामों को व्यापक रूप से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अभियान के तहत विद्यालय स्तर पर विविध कार्यक्रम एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया।



## अमृत कलश यात्रा - मेरी माटी मेरा देश



विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षक वृन्द द्वारा प्राचार्य महोदय श्री आलोक कुमार तिवारी के दिशा-निर्देश न में आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का समापन 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान के अंतर्गत 'अमृत कलश यात्रा' का आयोजन करके किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में अमर स्वतंत्रता सेनानियों एवं देश की रक्षा में सीमाओं पर तैनात जवान शहीदों के त्याग एवं बलिदान के भाव-बोध को जगाना है। इस गौरवमय क्षण पर विद्यालय की छात्राओं द्वारा अमृत कलश यात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा में लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। तदुपरांत आदरणीय प्राचार्य जी के द्वारा छात्र- छात्राओं एवं शिक्षकों को पंच प्रण शपथ दिलवाया एवं अपनी ओजस्वी वाणी से छात्र- छात्राओं को राष्ट्र प्रेम एवं देशभक्ति का संदेश दिया। 'मिट्टी को नमन एवं वीरों का वंदन' के तहत विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसके उपरांत छात्राओं के द्वारा अमृत कलश यात्रा निकाली गई। अंततः कार्यक्रम का समापन मातृभूमि की रक्षा में रक्षा में शहीद हुए अमर सेनानियों और सुरक्षा कर्मियों को श्रद्धांजलि एवं सम्मान में विद्यालय परिवार के द्वारा विद्यालय परिसर के वाटिका में वृक्षारोपण किया गया।



## वीर गाथा प्रोजेक्ट 3.0

वीर गाथा प्रोजेक्ट 3.0 के अंतर्गत विद्यालय स्तर पर कक्षा 3 से 12 के छात्र-छात्राओं के लिए 1 सितंबर से 14 सितंबर 2023 के मध्य विविध गतिविधियाँ आयोजित की गईं। काव्य लेखन, अनुच्छेद लेखन, चित्रांकन एवं मल्टीमीडिया प्रस्तुति आदि प्रतियोगिता आयोजित की गईं।



## SAY NO TO DRUGS

नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत लायंस क्लब गांधीनगर फेमिना के द्वारा "SAY NO TO DRUGS" पर एक वार्तालाप सत्र का आयोजन कक्षा नौवीं से बारहवीं के छात्र-छात्राओं हेतु किया गया। छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया गया।



## हिंदी रचनाएँ

### सब कहते हैं.....

सब कहते हैं- छोड़ो ये घर, चलते हैं,  
एक नए घर ।  
मैं कहती हूँ , “मैं जन्मी हूँ इस घर में”  
उस नए घर में –वो बात कहाँ?  
फिर भी,  
सब कहते हैं- छोड़ो ये घर, चलते हैं,  
एक नए घर ।  
नहीं कोई, जो मुझे समझे,  
जिसे मैं समझती हूँ अपना, वो भी समझाकर चले जाते ।  
ये घर ही तो है जो समझता है मुझे।  
मैं घर का दिल, घर मेरा दिल !  
क्या वो शरीर ! जिसके अन्दर दिल न हो।  
फिर भी,  
सब कहते हैं- छोड़ो ये घर, चलते हैं,  
एक नए घर ।  
बचपन में पेंसिल से खिंची गई लकीरें,  
मन्नत और प्यार की डोरियों से कम कहाँ!  
वो दीवारें गुस्से में खुद को पीटने का हथियार लगती,  
वो दीवारें खुशी के पलों को सहेजकर रखती।  
क्या इंसान है वो जो घर को बनाता और फिर छोड़ जाता ।  
सीख लें हम इस घर से जो बनते समय भी  
उसकी मिट्टी साथ रहती  
और तोड़ने के बाद भी  
फिर भी  
सब कहते हैं- छोड़ो ये घर, चलते हैं,  
एक नए घर ।

हरप्रीत  
दसवीं-ब

## सार

रोज़ एक नया जीवन  
हर दिन नई कहानियाँ  
कहानियाँ भी अर्थहीन, फिर भी सुनना जरूरी  
सुनकर ,उन पर

अपनी राय देना भी जरूरी।

एक आनंद ,एक नया उत्साह  
प्रत्येक दिन।

मासूम चेहरे, मदमस्त जीवन  
कभी झूठे, कभी सच्चे  
पर दोस्ती निभाने में बड़े पक्के।  
घर पर भले ही ना माने बात,  
पर हमारे लिए तो कर जाए  
विद्यालय का कोई भी काम ।

इनके बीच रहकर  
ना याद रहे घर बार  
इनको पढ़ाने-समझाने में  
कहाँ रहता हूँ वक्त का ख्याल ।

कभी जो न होने दे उम्र का अहसास  
अपार स्नेह, बेहद सम्मान,  
और खुशियों का भंडार।

गर्व हूँ मुझे मेरे विद्यार्थियों पर  
बने देश का गौरव  
मैं उनके साथ हूँ सदैव  
और वे हर पल रहते हैं मेरे साथ।

श्रीमती भारती मोहल  
प्र. स्ना. शि. गणित

## स्थानांतरण

केन्द्रीय विद्यालय में शुरू हुई  
फिर स्थानांतरण की बेला |  
चर्चा-परिचर्चा, विचार-विमर्श,  
हर तरफ शिक्षकों का मेला ||

कहीं उत्सुकता, आकांक्षा, अभिलाषा,  
तो कहीं पर छाई घोर निराशा |  
किसी को अन्यत्र जाने का डर है,  
तो कहीं हैं घर आवन की आशा ||

हर मन में आतुरता और भय,  
क्या होगा कुछ नहीं निश्चय |  
किन्तु सबको हैं संज्ञान ,  
अबकी बार जाना हैं तय ||

होगी नई जगह ,नया विद्यालय,  
थामेंगे नव विद्यार्थियों का हाथ|  
किन्तु मन आकुल हैं क्योंकि,  
ये साथी न होंगे साथ ||

कैसे भूल पाएंगे ये अनुभव,  
जो हमने साथ बिताए हैं|  
किन्तु प्रकृति का नियम यही है,  
वो जाएंगे , जो आए हैं ||

चल देंगे लेकर नया विश्वास,  
साथ होगी अपनी ये मिठास|  
होगा नया परिसर, नया माहौल,  
नए विद्यार्थी, नया अहसास ||

शनैः शनैः हम ढल जाएंगे,  
नई पहचान, नए रिश्ते बन जाएंगे |  
नए साथियों, नए विद्यार्थियों में,  
हम सहज ही घुल मिल जाएंगे ||

के. वि. ने यही सिखाया है,  
नित नवीनता को अपनाना है|  
संगठन की सुंदरता है यहीं,  
जिसको हम सबने माना है ||

श्रीमती प्रतिभा त्रिवेदी  
प्र. स्ना. शि. हिन्दी



## अवसर

मिला अवसर इस संसार में,  
कुछ कर दिखाना इस जग में,  
प्रारम्भ से शिक्षा पायी इस जग में ,  
शब्द ज्ञान ग्रहण किया बालपन में ।  
हुई युवावस्था इस संसार में,  
पढ-लिखकर बना सुसंस्कृत,  
देश सेवा का लिया प्रण मैंने,  
शिक्षा प्रदान की मैंने देश सेवा में ।  
मिला अवसर गुरु ज्ञान वाणी का,  
पाया आदर्श सद्गुण हृदय में,  
ज्ञान गंगा की अमृत वाणी से,  
मिला अवसर परमात्मा से मिलन का ।

श्री एल. जे. वाघेला  
(प्रधानाध्यापक: प्राथमिक विभाग)

## ENGLISH ARTICLES

### SYNOPSIS OF ROOM ON THE BROOM

Once there was a witch. She had a cat and a very tall hat and a long ginger hair which she wore in a bow. One day they were flying through the forest and because of stormy wind, the witch's hat blew away. She ordered her broom to go down, they landed on the ground and started to search for the hat, but no hat could be found.

Then suddenly a dog bumped from the bush with the hat in his jaws. He dropped it politely and asked the witch "Is there room on the broom for the dog like me?" The witch looked at the cat and the cat said "No." but the witch replied "yes!" And they both flew away. As they were flying the stormy wind began and witch hold her hat but this time it blew off her bow from the hair. The witch cried DOWN!! And they landed to the ground. On the ground they searched for the bow, but couldn't find.

Then out of a sudden a green bird came to them with bow in her beak. She dropped it politely and asked the witch "is there room on the broom for the bird like me?" the witch cried YES!! And they all set off again but this time the wind blew away her wand. She cried DOWN!! And they all landed to the ground. They searched for the wand but couldn't found. Then a frog came with the wand in his hand and asked the witch "is there room on the broom for the frog like him? The witch cried YES!! And they all set off. They were flying through a cloud and frog jumped in happiness and broom snapped in two. They all fell down, and the witch was flying through a cloud with a half broomstick.

Then she suddenly heard a voice from back and as she turned back, she saw a creepy dragon following her. The dragon caught the witch and landed on the ground he was about to eat her then suddenly out of a muddy puddle rose a horrible beast its voice was very creepy like many of animals shouting together, the beast has 4 heads and it came to the dragon and said leave her that's my witch. The dragon put the witch down and flew away as fast as he could. And the cat, the dog, bird and the frog who were standing on each other to become beast, jumped down from each other and washed their face and ran to the witch.

The witch cried THANK YOU!! Oh! THANK YOU! And then she got an idea she took out her cauldron and said "come on everyone go and find something and throw it into the cauldron. The dog found a bone, cat found a cone, bird found a twig and frog found lily. They all throw it into the cauldron and witch muttered a spell – IZZITY ZIGGITY ZAGETY ZOOM!!!! Then there rose a magnificent broom with seats for witch, cat and dog, A tub for frog and nest for bird. They all sat on it and flew through the sky.

HIBA TABBSUM

VIII-C

# THE BUTTERFLY AND THE FLOWER

Once upon a time, there was a young butterfly who accidentally entered a house. She entered through a window. When she entered she saw a beautiful flower pot with some beautiful yellow-colour flowers in it.

She lived in the flower pot for something around 2 days. One morning, when the window was open, she went outside to get fresh air. She roams and roams and later, she went too far from the house. After an hour when she tried to enter the house she saw the window that had beautiful flower pot with beautiful flowers in. It was closed. She became very sad. She had to stay outside for a week because the owner of the house had gone outside for a vacation with his family.

After a week when the owner of the house came back, he opened the windows. When the sad butterfly saw this, she rushed to window to see the flower pot. But sadly, when she saw the flower pot, it was all dried up. She said to herself "Oh no! What am I going to do now?". She sadly went outside. She sat under a tree crying. After a while an old wise butterfly came and saw the sad butterfly she said to her "What happened my child?" the young butterfly told her everything. The old wise butterfly said "My child, what happened if you lost the beautiful flower pot, you will find another one prettier than that."

The young butterfly understood and thanked the old wise butterfly. After a few weeks, the butterfly saw another flower pot with more beautiful flowers in it. She thanked the old wise butterfly in her mind.

**MORAL:** Don't be sad about only one thing that you find special and you've lost it. You'll find another one which is more special and beautiful than that.

# A LETTER FROM THE EVALUATOR

I am a teacher by heart. I want to open my heart as an evaluator what we see in the answer books. Here is a letter I want to post my dear students.

Evaluation Room  
Evaluation center,  
Earth  
19/03/2022

**Dear Students,**

I am an evaluator. I am fine here. I hope you are fine there too. Today I have completed my work related to the evaluation and want to advise for the future. The word 'examination' makes one fears for something unprecedented. But Practice makes man perfect. Writing is an art. One must know as a literate how to write. Children fear for the examination but they should not fear. Because what they practice whole year they should write in their answer books in exam. One should follow "CODER" for writing.

C means Collect your ideas.

O means Organize your ideas.

D means Draft your ideas properly.

E means Edit your written work carefully.

R means Revise the same.

Before starting the exam

Read the question paper properly. You should try to understand what the question wants. One should make the strategy for writing. One should follow easy to difficult method.

At the time of writing

1. Write as you understand the question. There is no meaning of rote learning.
2. Unnecessary capital and small letters must not be used. Example algu should be Algu. And the first-person singular pronoun "I" must be capital.
3. Punctuation marks must be used properly to give the clear meaning of what was written whenever needed.
4. Homophones and homonyms should be used properly to avoid the confusion and grammatical errors.
5. Question must be answered in the same tense if possible. While writing one must understand writing should be legible.
6. Informal short forms must not be used in formal writing. Notetaking is totally different.
7. Word limit should be followed if possible. One should not write for 2 marks one page and for 5 marks one page. It is not acceptable.
8. Repetition of sentences must be avoided because it gives negative impression in reader's mind.

I hope you will follow these suggestions and make your life filled with colours you like.

Your well-wisher,  
Evaluator

Written by Prakshkumar Prajapati (TGT-Eng.)



**CO-CURRICULAR  
ACTIVITIES**





शुभवाङ्म!